भजन

तर्ज– मेरे मोहन तेरा मुस्कुराना

मेरे दिलबर तेरा मुस्कुराना, भूल जाने के काबिल नहीं है
देते हैं लाड से कैसे दिलबर, वो बताने के काबिल नहीं है

1–जब से देखा है जलवा तुम्हारा,कोई आंखों में जंचता नहीं है
यूं तो देखे बहुत नूर वाले,सारे आलम में तुझसा नहीं है

2– तेरी तिरछी नजर के मैं सदके,तेरी आंखे हैं या मय के प्याले
जिसको नजरों से तूने पिलाई,होश आने के काबिल नहीं है

3– सैंकड़ो बार देखा है उनको,प्यास नजरों की बुझती नहीं है
ऐसा महसूस होता है हमको,जैसे सदियों से देखा नहीं है